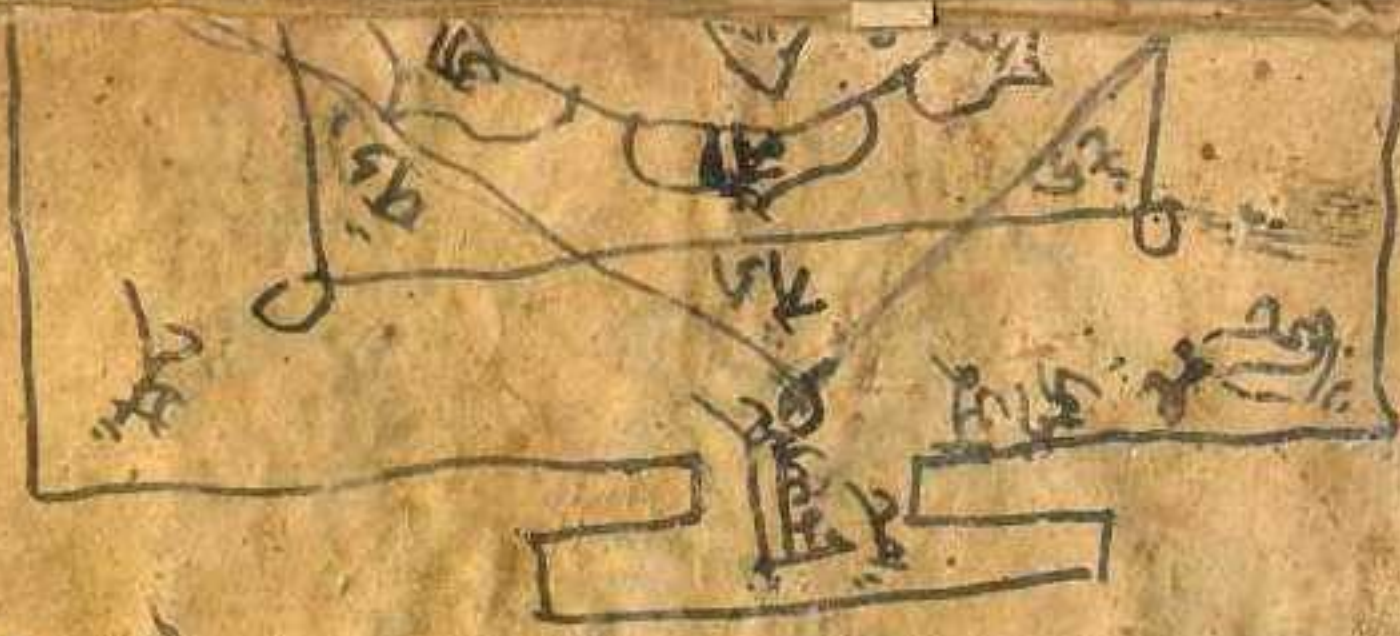


ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



यन्त्रवाला जाल
 सांगा उखारा ॥
 नैव नो न के ॥

धृपन्तु धातुस किया अ प्रतिष्ठा या हा अ धन ल या य द क दा ष या ॥ अं १ ॥
 विथ पूजा या हा अ धन या हा अ सुता य प न ह या ॥ अं २ ॥
 अथवा धास वा जास न या अ मं धम म न य न ग ॥ अं ३ ॥
 के ॥ धधी ॥ ह न र न व या य न ग म क स वि अ ३ ॥

१३४ श्री गुरुभ्यो नमः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ गुनू वा प्रहनी वनू वीन पवनका पूत अऊनी पूत अऊनी गिन पध
 मलि वि सलि औ घध आनि फूल के य ॐ कि मि स कि नि ह न पुग
 कूटि घा सु वा वीन ह निव न त नी आ हा ॥ जा ॥ ॐ न मा ह नू म न
 न न ना जाय कल्या नाय अग्नि मुख विहा निन स च नाय गाय न गाय व
 धु वि धु स नाय देव दान व ग अ ग न्ध व सिद्ध कि न न महा न ग ॐ श्री ह्रीं वा
 ध नाय हू ना वा पु ना वा अ ० स ० उ रु ना देवी की आग्धा अ ० स ० क म्ब
 नाथ देवी की आग्धा अ ० स ० ना न हि ह की आग्धा अ ० स ० ह निव न देवी
 न की आग्धा ही म की खे फू अ ० न का वा नू निव का रि मूल व न्ना की ध

माउ अदि दकैयां

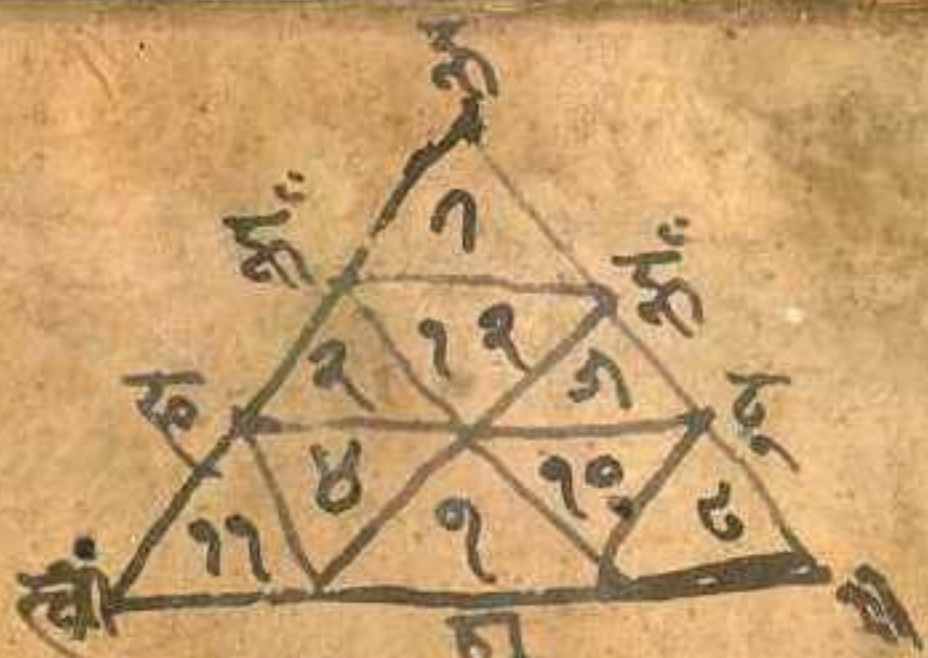
कि ॐ सा फू का वा ह स्मान धी (म न स की ध कि धी व नु म नि की ध कि
 दू स म नु ॐ धे न की वा वा ॥ माउ अदि द कयां ॥ ॐ न मा वृष र ध जा
 य कि रि मि लि २ रि द धी द धी न मा फु न न क र व रूप ना क मा य स्वा हा ॥
 ध म नु ल धी र व उ हा ल स्तान कूट वे हा क वि न ध न धा र वि संध १
 म ध न या र्द का पा य के वा स ग ह या न क ॥ ॐ का रि का रि महा का रि
 मां स (म लि ग हा डि नि ह नू ल रि मू स न च नु द प वि ना लि न स्त
 हा ॥ धा १ अ थ वा धा २ ॥ मा उ को ऊ पु पा ड मि सा या र्ज स चि य न उ मि
 ला उ हा ल न रु आ या चि य ॥ ॐ आ द न गु नू को उ थ व य ॐ मे व न
 द ग नि गु नू की स ग ति मूल म नु ॐ धे न की वा वा ॥ माउ अदि द कयां ॥

८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८
८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८
८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८
८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८
८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८
८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८
८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८
८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८	८८

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

भावाभ्या
दयक ॥



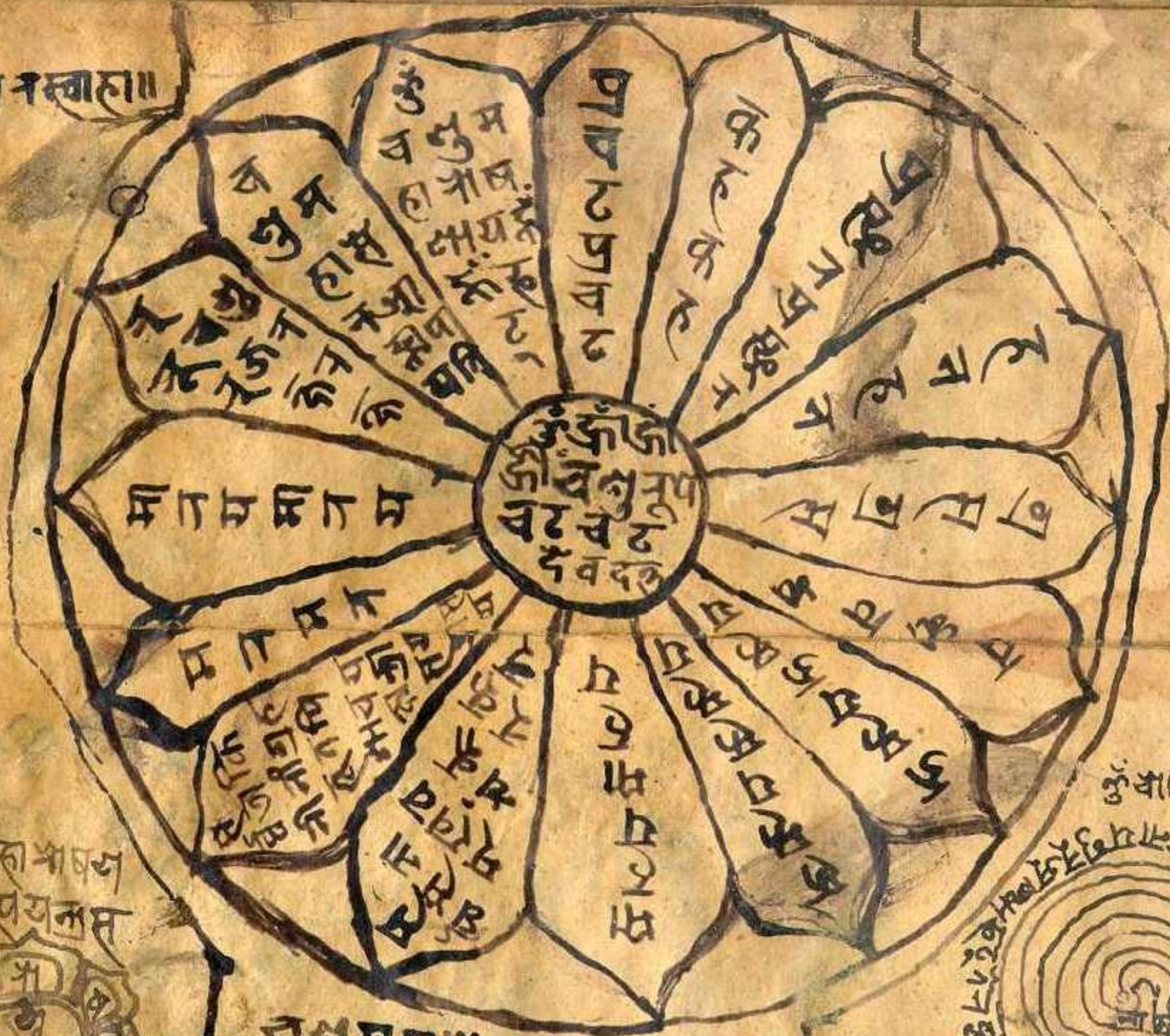
8	4	1	2
6	8	7	9
6	3	5	4
2	5	3	8



पंचसूत्रधन पुं
पुं सखाया आयास
विहा आंकधि सहिहा
आसाना आगय भाक
सम आय के ॥

[illegible]

ॐ व न स्वाहा ॥



चणुमहाशय
पास्तययनस



मस्तनकाथ

चणुमहाशययययययय
नानमनुयाथसययधन
ईशावानपनिस्तनकाध॥३॥



धनकु रंगयययययययय
संस्तयययययययययययय
यययययययययययययययय

[illegible]

नमः ४ स्त्राहा ॥ ५९० उपपायस क्लीपूजायाना उपचमका न कृपाया उपपाय
 धन उभयवचय रुपा उगमधन मनूष्य रुपा ॥ लोगविश्वधयानामः ॥
 ॐ हं सं वं क्ली सो कुं दुं यं सं लं सं लं यं नं लं वं जूं कं चं टं नं पं यं भं तं उ
 ह्म स पूर्व कृग की ल कं नो भय र मम रं कृग स्य की ल क स्य सिद्धि द हि र
 मनु सिद्धि प्रयक्त र सर्व दार्ष ना भय र मनो न थ पू न य र श्री पू र्ण भु नि ज
 नि ल भ नि श्री कू डिक भ नि श्री का सि क भ नि श्री रि पू न भ नि श्री ता र क भ नि
 श्री सर्व पी १० सर्व कं उ स र्व दार्ष ना भया रीष्ट सिद्धि द द र ॐ हं १० हं १० हं १०
 हा ॥ ५९० हं सि की ल र्ज गु सि १ हा य कं वं भ गा य की सो व न थ

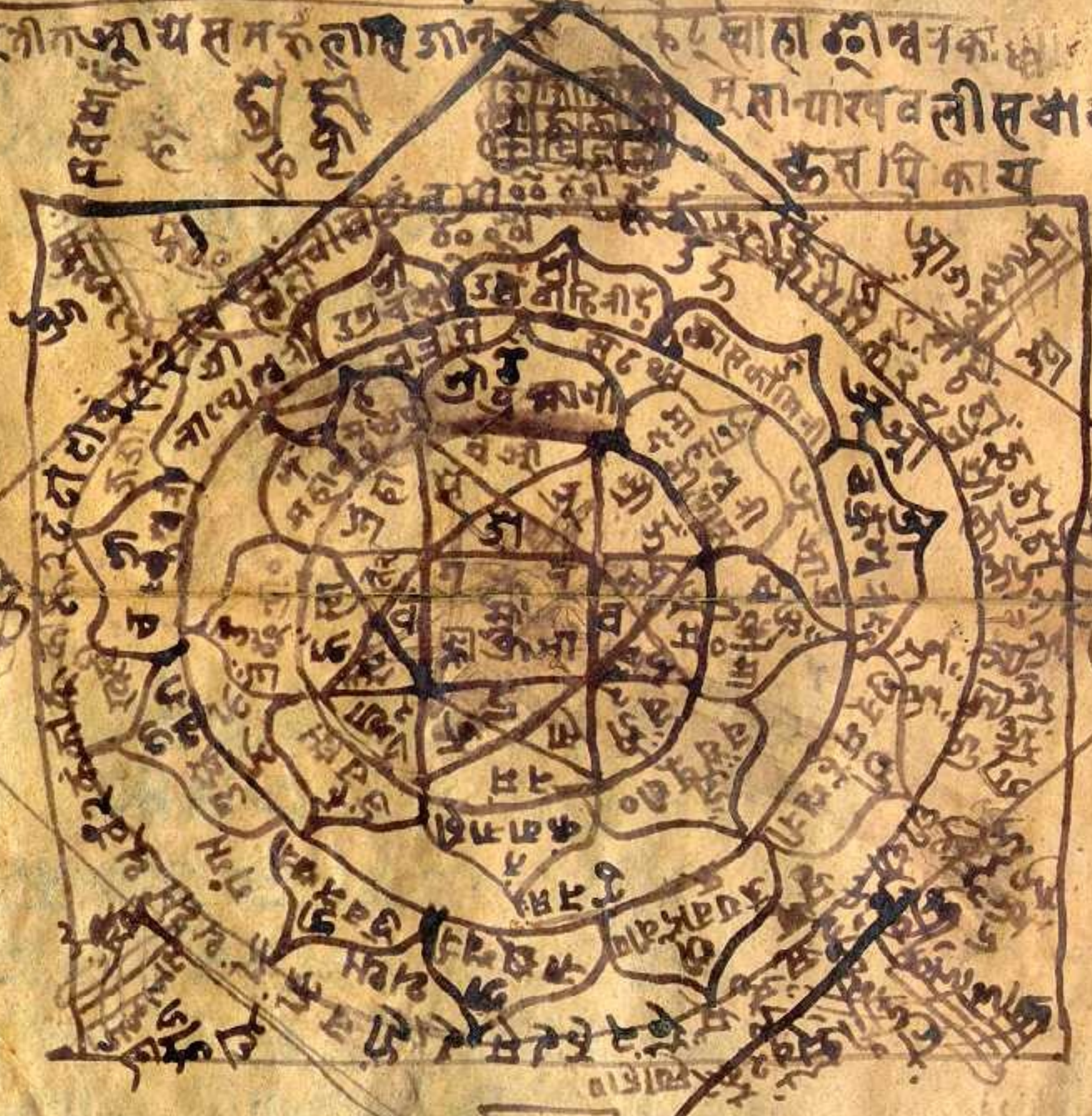
की लो धा १



ॐ श्रीगणेशाय नमः

ॐ अतीत आद्य समस्त लोकां जान

हं साहा श्रीशिवक
महापादवलीसुखाभाध
कृतपिकाय



मामा मा रु सा वि
हं न मा रु सा वि
मामा मा रु सा वि
मामा मा रु सा वि
मामा मा रु सा वि

मामा मा रु सा वि

ॐ श्रीगुरुवे नमः॥ गुरुवीरपूज्यसुतविचित्रिख्यः॥ वीरपूज्यः
वचःपुद्गलपद्मपात्ररुणपि॥ कृष्णपद्मविः॥ वसन्तपद्मपात्ररुणपि॥
भवसद्वर्गः॥ यद्विचित्रं गुरुविचित्रं यद्विचित्रं यद्विचित्रं यद्विचित्रं
वायुसंवाहितकवी॥ तत्रूनं सुन्दरं गुरुनं नं नं नं नं नं नं नं नं नं नं
विगुनं च समुखनं वलिनां॥ ॥ हेनवतपि॥ यद्विचित्रं यद्विचित्रं
वाहितं कुरुमूर्तः॥ नवमानोपकर्तुं नारुनं ह्यकुरुमूर्तः॥ मुनिवधपति
तास्य भनयवर्कं हि हवर्नं॥ मूयकसिंहकुरुमूर्तः वृद्धहिन्नमवहन
आनर्हि कुरुमूर्तवापिनपयुषितसंववकुजनसद्वर्गं रूपं सर्वभप
निवर्कं॥ कासीनकुपि॥ वाक्कुरुमूर्तः गुरुमर्त्यं यद्विचित्रं यद्विचित्रं

सद्यःसंवापसहस्रः साधनं वीनसाधनं ॥ कृपापुयागककृष्णपुत्र...
 र्वसिद्धयः ॥ ॥ क्लाननिप्रमाह ॥ गृन्ना गभनदीतीयपर्वतनिर्जनपिवा ॥
 विल्वमूले मन्मथे वातसमीपवेन कुरुते ॥ मृगम्यावचतुर्दशैव कृपायु
 तयापि ॥ होमवनममिध्यासाधयेति द्विपुरुषं ॥ माषरुक्चनस्यथ
 धूपदीपादिकंगथा ॥ तिलाः कृष्णः मर्षपाथस्तुपनीयापयस्तमः ॥ ॥ नि
 हावचूजमल्लि ॥ ॥ उर्व ॥ साविधासुशुडं क्लानं सुनापायसविशुक्लं ॥
 नानातर्यं च नैवेद्यं स्वस्वकल्पाकसाधिर्ग ॥ विगाहानसमानोपहृदहि
 ममुपाजिति ॥ समानगुमर्षपत्रीसाधवाविकुहीस्तस्य ॥ ॥
 कर्त्तुं ॥ अस्संस्तानाचिताप्रज्ञानतुर्लोकानसंस्तुता ॥ च

पुनर्वसुभीषुसिद्धिदा॥ ॥ अङ्गाधिकान॥ अङ्गावसो
 हसिकागुविमहास्वश्रुदयावांशुसर्वहृत् हेमनग॥
 मयामगमगमसुनश्वनि॥ शर्ववापिविनीवापिनीलागल यथमसुर्व॥
 साधयस्वदिगममकीमनु आनपनाशुवि॥ तर्जनेवचक हारुगय
 विमर्शय ॥ अङ्गादोसर्वसामग्रीसज्जीकृत् पी० दद्यात्
 पी० देवीयथादिधामनपूजयित्वाजपसुर्जनेविधाय॥
 नगलासैकसंकर्षां॥ ॐ अथयादि अमृन्मशस्मदुमृन्मनाम
 अमृकदवतासुपुत्रकामनया ममनासनमहंकवि ॥ ॐ संकल्प
 वस्तुसंकाशाद्यैर्हवयित्वासामान्यार्थविविक्तत्वा ममनं प्रोक्तं यथा॥

पाशपूयवीनछाया॥ ॐ उ नम रु का निरी पि म्म च क न लि कु ला हा॥
ध ३ उ पु न के ण य या य॥ ॐ ह न र ख र वा हि र ह न र म उ न रु रु य॥ ध
२१ ख ले ये सिं उ पु पा ड ख ल का स थ ने मा न ल॥ ॐ न म म्मा ३ का ३ का
सि र म हा का लि का ति र ह उ का लि र क का ली य म उ म्मा ३ न दि पा न
वा म्म क क्थ वि हा नि क ज्ञा य मा लि रू ना मा ता आ दू ते य का नि ॥ ध १२
अ रू त उ पु प व च्छि क्थ व च्छि हा ले ह य ना मि नी ॥ ध १३
स म्मा यी उ पु ज य स उ का नो म उ प ज य ॥ ध १४
उ म्मा य ॥ ॐ च न र सा ल च न र मा स ह उ रि का ॥

य ति व ग ल गु ना ग य कु ला हा॥ ध २१ वि उ पु प न ॥
का लि का ह त उ य नी ॐ उ स त ह द रु रू ॥ ध १५ स ख
॥ ॐ न म मि वा य ॐ ध ना र ध र्म सा ला सा हा रु र म ल
क न म न म ना य ॥ ध १६ म ल स र य रु ता ल स हि म डी य क ॥ ॐ उ १२ म हा
ॐ २ न क वी २ स त वी २ ना रि वी ली हू ॥ ध १७ ह नी मि य नि कि क ॥ ॐ उ
हू ६ वि क व ली म हा ह य ना ग च ना ग ले गी के ला म पु हू न
न य त ना म ॥ ध १८ य का नू ग ह ग ल पा त सा का ॥ ॐ क २ हू २ ता ली २
आ द र्म गु रू आ हा ॥ ध १९ गु गु लि अ रू त खान अ पु प क थ न खान अ क
ग नू पा ता दि सा का ११ आ व म

दिक २

आदि ३२

हो न विषय

नं कुं के त न ग या य जा कि च्चा के आवे ॥ सि दू न ह ति न य मा ल ति के त ॥
उं की सि का ध नू ध नी २ ॥ ध १० ल खे तो न क दि के ॥ उं ज य वि ज य अ जा न ह
हा ॥ ध ११ अ य य अ सि द ॥ उं ला यि र म हा ता यि ला हा ॥ ध १२ ला हा ती स
हू का ल न वि या ड ला न ० य डि ड मि या ना ग ला य ॥ उं ज म द रि न
द ड ति ह क न वा ना को पू री नी ॥ ध १० ला हा ती स हू का ल न ॥ ध ११
स वू य ध ला व न्य ॥ उं स र्व ह य मा रु नी का य वा कु दि ॥ ध १२ ला हा ती स
ल हा नी न क र हू र हू र ला हा ॥ ध १३ अ अ अ अ क न ला ॥ ध १४ अ अ अ अ

धाल व नी २

क व च

क व च

र कू य क व च ॥ उं मि सि की सी ह ह व मा रु का रु ॥
क की सि नी ध वी हू डी तो हू र हू र ला हा ॥ ध १५ वि हू मि न ध १६
क व च ॥ उं न म १ उ नू र द न अ त हा ज न न अ व य दि ह ॥
वी ता द व व हा नू ह नू म क वा हा न उ मा न य य स क ही द य ह ॥ ध १७
द व अ त न क दा य का त न क न न सि ह वा म र ह नू म क वी न ० न ध न
वा ना ॥ ध १८ अ न ध स वि हू ज पू प हा स म हा ता न ॥ उं का सि
२ म हा का सी र स का सी म हा व ले उं म र्क म हा व ले ॥ ध १९ हू हू र हू र ला हा ॥

ता न ध १

तात्र ल३

ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ

कलहम्पु ३

[illegible]

महाद्वयमविवेक

धंसपनिमदयकं

धर्मकायकं

卷之四

लङ्केश्वर कृष्णजी निस्सारा ॥ धारण स्वावा सिद्ध प्र पाठ या को भव ॥
 के ॥ ॐ कर्ण हृदि ति प च स का ली उ न्न व ध यी स्वाहा ॥ धा ॥ सिद्धाय धारण
 इय धं स प ति म द य के ॥ ॐ हं र का ली अ मृ क ल आ डं ड स्वाहा ॥
 तन क्लृप्त य उ उ प उ र वि ष न ध म नु वा य अ क्र या ना म र
 ल स क्लृप्त य उ उ र वि मि त त या ड मि द्र य वा स प ति ण स्वा वि क
 न का य हू र ग क्र मा न म ॥ ॐ श्री व ड या यि ती वर् ष प य हू ण दि ती आ
 लं स्वा हा ॥ धा ॥ ह्या धा स हू रं द व या धा स पू ण या य म नु सि दि ॥ ॐ

मनु सिद्धि ।

हृदय

मि कि क ३

धं का अ या अ

मि ४ निदि (धे च ध ह ल न काना द स र्व लोक अ २ वी का नी गुरु का स ग नि म
जात गति रू सो म कुं ग व न वा वा ॥ ध ३ स ध म स द ग उ हि हि रु का पु म
व सा डा ॐ ता ल द य को डा मा ह नी रु या अ सि म ल सि मा या हा स अ ध वा
मा म द सा रु का हा स थ हा डा ग य रु २ १ हा स वृ ता डा मि खा स ड ले मि कि क
॥ ॐ मि मा म हे ना डा स ना ज मू ना आ (ग व ला हां हू रु द्वा हा ॥ ध १ धं अ
पु पा डा गो ने थु का डा या ॥ ॐ का म ना गी तं ॐ प थं र सा हा ॥ ध १ अ ग जा ज पु पा
डा क य क प ता सि का य मी ल क ल या या य ॥ ॐ द स ध ना य नृ य स मी
म कि स हि ता य अ ग क र हू रु द्वा हा ॥ ध १ अ ग उ लि ज पु पा डा य न वा

प ना सि का क रु य क ३

आ व न

दि क

लो क या य

१ अ नृ ग ल स वि या डा वा ने आ वे म ॥ ॐ हू रु द्वा ॥ ध १ अ ल ख ना न के दि क ॥ ॐ न
मा व उ स व सि य ह न र सा हा ॥ ध १ अ न नृ ज पु पा डा ध सि स ग य (ओ ह
रू य ॥ ॐ न म ४ पू र्व वा (ध आ षा ड वा (ध प मि म वा (ध द व इ वा न श्र थ रु क
नि धा न ध वा (ध २ सा प वा (ध पि ॐ ध य ॐ सि न य न्ना क व ॥ ध १ म दि ग म
सा आ डा स ल्प य ला पा दा य ३ चू डा य म हू रु य म द ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
क ध नी कुं द नी (म वि नी मा नि ली हू रु द्वा हा ॥ ध १ क मि या ॥ ॐ हां हू
रू द्वा हा ॥ ध १ अ क र्ण का य घा स्था न धं ला य ॥ ॐ आ द ग गुरु का ल रु मा

ह य म द य क ३

क मि या २

वा स्था न धं मा य २

दीत्याकया१ कृमिदा३ मसंदइविषक३ ५४ सनक१ उति३ य३

[illegible]

व

नाइभीरु

हिदिय

अस लक्ष

मूलिवाजः

पुद दं दुं उ न हि वा ना द रूँ ॥ धा १ सि ह्स त्रिय न जा पु ज्ञा मा रु ॥ रूं सं
हं हं हं ॥ धा १ पू ल का के दि च्छि के ॥ कु प न प द ष क कु श्री या स्वा हा ॥ धा
१ न स ला य ॥ कु यो हो गी य ति द्वि अ का गी वा न नि य स्वा हा ॥ धा
१०५ अ पु या य ॥ कु यं की अ म की य स्वा हा ॥ धा १ त र व ता न के अ रि वा
न या ॥ कु ना ग हे न मि ला ट ग वि रु आ म तु ठी ठ व ना वा वा ला ह न का न ता
य ॥ कु ज य क लु डी ना य वि म क था वि पा थिक धा ह ना य ज प क द ह सि दि
गु रू आ झा ॥ ता ल न ॥ कु च अ रू रू ट्वा हा ॥ धा १ वि ह ति न न र ग ल स व र्य

असहाय ४

ਸਲੋਕ ੨

नृपुषे सहस्रायन

नृगलससाह हाय ॥ १ ॥ अ धिगत विगत नागनाभय हाहा ॥ धा १ लखना
नक अ धिजाओ ॥ २ ॥ अवल सुवल सित धि पव क्रायनी वाला सिता
कूप दूप दवा सोर धपा ०० तुवा मुकी वाला ऊहि चा सो ता हि धव्य सगर
सव सि धि गु नू आ ॥ धा १ गु गु लि हा ज पु पा अ ध पा सगय हायक ॥ ३ ॥
कपिल कस का ल मू डा बल सा ॥ धा १ ना जा धा नु जा धा ह आ यी म धा ह न व
जानि ॥ धा १ धे क उ पु मा आ र वा ल व य मा ह ॥ ४ ॥ क ना ल वि क त ल द न र
किलि २ म हा का ल कुं शी चं २ म ह हं सा म हा न नृ ध ना य हा ॥ धा
१ ल ख ना न लो क प्रो ति ॥ ५ ॥ गु नू आ ॥ ६ ॥ व म न म न वि न न म

निक गति य वा नि क पा लिया वि सि खा या ॥ धा १ सा धन वि द्या ॥ १ ॥ व ध क
सिय हाहा ॥ धा १ धू ल कृ क पू य हि धि य ॥ २ ॥ व ड ह न नु द या ॥ धा १ जा धि
कू य क व च ॥ ३ ॥ व न सा गु न व या ॥ धा १ वि ध ति य क व च ॥ ४ ॥ य कू न कू अ
य के आ हा ना म ल कू न भी ता स हि रू ल म नु ०० व न आ हा ॥ धा १
स ला य ॥ ५ ॥ सा प य के ल वि प्र कू ल स्य ॥ ६ ॥ ता ल ते ॥ ७ ॥ का ल ते न व का लि
का द वि का मा च्छा हाहा ॥ धा २ १ पे का ल या वा न क य क म रू हि हा क
॥ २ ॥ खि प हाहा ॥ धा २ १ वी न हा का पू य ॥ ३ ॥ अग्नि मा ता पा र्व ती मा गा रू
हाहा ॥ ४ ॥ लो प ल्य वि षू ज पु पा अ प क सि ला य वा हा म म का ली स म न

